



મુખ્યમાન સમાચાર

ମୁରାଦାବାଦ

एक सम्पूर्ण अखबार



...कुछ नया जन्म
लेने वाला है

नई सोच हमेशा नई राहों पर ले जाती है।
इसी तरह नई शुरुआत नए जीवन से रु-ब-रु कराती है।
यही निरंतरता की स्थिति होती है।

शुभांशु की वापसी पर झूमे लोग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः शुभांशु शुक्ला के स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन अंतरिक्ष यान ने मंगलवार को भारतीय समयानुसार अपराह्ण 3:01 बजे जैसे ही प्रशान्त महासागर के कैलीफोर्निया टट पर सफल लॉडिंग की, देशवासी खुशी व गर्व से झूम उठे। सिटी मॉटेसरी स्कूल (सीएमएस), कानपुर रोड ऑडिटोरियम में शुभांशु के माता-पिता और परिजनों के साथ सैकड़ों लोगों ने इस ऐतिहासिक क्षण को लाइव देखा। जैसे ही कैम्पसूल ने प्रशांत महासागर की सतह को छुआ, ऑडिटोरियम का माहौल अत्यन्त भावुक हो उठा। पूरा ऑडिटोरियम भारत माता की जय के नारे व तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज उठा।

शुभांशु 25 जून को फाल्कन-9 रॉकेट से अंतरिक्ष की उड़ान पर रवाना हुए थे। 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जुड़ गए थे। उन्होंने अंतरिक्ष में 18 दिन बिताए। 310 से अधिक कक्षाएं पूरी कीं और लगभग 1.3 करोड़ किमी की दूरी तय की। इस दौरान उन्होंने इसरो द्वारा सौंपे गए सातों सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण प्रयोगों को सफलतापूर्वक पूरा किया। मांसपेशी पुनर्जनन, टार्डिंग्रेड परिक्षण, बीज अंकुरण, शैवाल संवर्धन, फसल सहनशीलता, विकिरण प्रभाव एवं मानव शरीर विज्ञान संबंधी अध्ययन शामिल थे। ये प्रयोग भारत के आगामी गगनयान कार्यक्रम हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। शुभांशु के अन्तरिक्ष यान के पानी में उत्तरने के साथ ही सीएमएस प्रबंधन एवं शुभांशु के परिवार ने त्रि-स्तरीय केक काटा। इस केक के तीन स्तर लांच, आईएसएस पर प्रवास और धरती पर वापसी के प्रतीक स्वरूप थे। इस अवसर पर पूरा ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाइट से गंज उठा। इस अवसर पर शुभांशु के पिता शम्भू दयाल शुक्ल ने भावुक होकर कहा कि यह उपलब्धि भारतवासियों के सामूहिक विश्वास का परिणाम है। उन्होंने डा. भारती गांधी, प्रो. गीता गांधी किंगडन और सीएमएस परिवार का आभार व्यक्त करता हूं। सीएमएस प्रबंधक प्रो. गीता गांधी किंगडन ने कहा कि शुभांशु की सफलता ने हमारे छात्रों की कल्पनाशक्ति को पंख दिए हैं। वह सीएमएस के

पिता ने किया सुंदरकांड पाठ

अंतरिक्ष से लौटे समय देशभर की नजरें जिस वीर बेटे पर टिकी थीं। उसके परिवार ने रात भर ईश्वर से उसकी सलामती की प्रार्थना की। लखनऊ निवासी अंतरिक्ष यात्री युग्म कैप्टन शुभांशु शुक्ला के परिवार के लिए बीती रात बेहद तनावपूर्ण और भावनात्मक रही। शुभांशु का रिटर्न कैप्सूल पृथी की ओर बढ़ रहा है, उनके पिता शंभू दयाल शुक्ला ने सोमवार सुबह सुंदरकांड का पाठ किया।

पूरा रात जागत रह

युधाश्वर के पापा न बताया, हमारा लिए बाता रात बहुत भारी रही। नीट तो जैसे अखों से कोसों दूर थी। बस भगवान से यही प्रार्थना कर रहे थे कि हमारा बेटा सुरक्षित जमीन पर उतर जाए। वो जिस तरीके से एक बंद कैप्सूल में आ रहा था, उसे सोचकर दिल बैठा जा रहा था।

શુભાંશુ કા માનો દૂસરા જન્મ હો

शुभांशु की वापसी को परिवार पुनर्जन्म के तौर पर देख रहा है। बहन शुक्रि कहती हैं, जैसे वो पृथ्वी से किसी और ही दुनिया में गए और अब वापस लौट रहे हैं। नए अनुभवों और यादों के साथ। जैसे वो फिर से जन्म लेकर आ रहे हैं। मां आशा ने बताया कि मिशन के अंतिम घण्टे में उन्होंने घर पर 18 दिन तक विशेष पूजा करवाई हमारे लिए वो दोबारा जन्म लेकर आ रहा है।

A group of students in red shirts are standing together, smiling, and making peace signs.

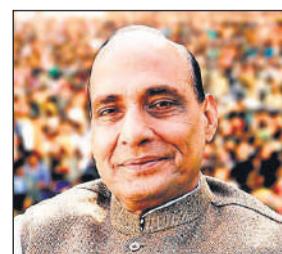
A collage of many young Indian men, likely students, wearing red and white checkered shirts. They are all holding up a single banner in the center. The banner has handwritten text in Hindi: 'जहाँ से अंद्रा प्रदेश हुआ...' (From where Andhra Pradesh began...). Below the banner, there is a small Indian flag.



अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य क्रू सदस्यों के मंगलवार को सफलतापूर्वक पृथ्वी पर लौटने पर मुरादाबाद के सुकली में जग्न नमाते छाव।

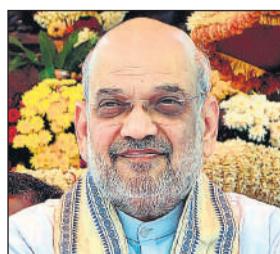
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुभांशु के पिता से बात कर कहा- पूरे देश को है गर्व

लखनऊ। रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने ग्रुप कैटन शुभांशु शुक्ला की अंतर्रिक्ष में रिकॉर्ड बनाकर धरती पर वापसी पर खुशी और गर्व व्यक्त किया और लखनऊ में शुभांशु के पिता से फोन पर बात कर कहा कि पूरे देश को उनके पुत्र पर गर्व है। शुभांशु 18 दिन बाद अंतर्राष्ट्रीय अंतर्रिक्ष स्टेशन से पृथ्वी पर लौटे हैं। राजनाथ सिंह ने एक्स पर एक पोर्ट में लिखा कि ग्रुप कैटन शुभांशु शुक्ला से सफल वापसी हर भारतीय के लिए को छुआ है, बल्कि भारत की आकांक्षा। अंतर्राष्ट्रीय अंतर्रिक्ष स्टेशन का उनके उपलब्ध नहीं है, बल्कि यह भारत की एक गौरवपूर्ण कदम है। मैं उनके भवित्व का माना करता हूँ।



शुक्ला ने भारत का गौरव बढ़ाया, वैज्ञानिकों में फिर से विश्वास जगाया : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुप्त कैटन शुभांशु शुकला को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा के बाद पृथ्वी पर सफलतापूर्वक लौटने पर मंगलवार को बधाई दी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि शुकला ने एक ऐसी विजय गाथा लिखी है, जिसने न केवल देश का गौरव बढ़ाया है, बल्कि भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों एवं वैज्ञानिकों में अपनी प्रतिभा और साहस को लेकर विश्वास भी जगाया है। शाह ने एकस पर लिखा कि गुप्त कैटन शुभांशु शुकला को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा के बाद पृथ्वी पर उनकी सफल वापसी पर हार्दिक बधाई। भारत की महानता की खोज में उन्होंने विजय की एक ऐसी गाथा लिखी है, जिसने न केवल हमारा गौरव बढ़ाया है, बल्कि भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों और वैज्ञानिकों में अपनी प्रतिभा और साहस के प्रति विश्वास भी जगाया है। गृह मंत्री ने कहा कि इस यात्रा के दौरान अर्जित ज्ञान और अनुभव



एक नज़र

22 जुलाई से तारीख किसान यूनियन का वेनियादी धरना
बिलासपुर, अमृत विचार : तबक्की और राजवार विभाग में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए तराई किसान यूनियन ने आगामी 22 जुलाई को तहसील में अनिवार्यकालीन धरना-प्रदर्शन की घोषणा की है। यूनियन के राष्ट्रीय अधिक्षय व संयुक्त किसान मोर्चा की राष्ट्रीय समवय समिति के सदस्य तंत्रिजर निहंसने में मंगलवार को कहा कि दोनों विभागों में भ्रष्टाचार चरम पर है। चरक्की अधिकारी सदाचार में तीन दिन निर्वाचित होने के बावजूद अपने कार्यालय में नहीं आते हैं। किसान परेशन है। तिरसत की फाइल लिखते ही हैं। 22 जुलाई को जीले भर के किसान तहसील में जुटेंगे और धरना-प्रदर्शन करें। संतोषजनक समझौता न होने तक किसान बैठकी धरने पर बैठे रहेंगे।

गवाह बुलाने को दिया
प्रार्थना पत्र खारिज

रामपुर, अमृत विचार : सपा शासनकाल में तेपखाने पर बड़ी योग्यादी धरना पर बुलाऊ जरूर चलवा दिया गया था। इस मामले में सपा नेता आजम खां समेत छह लोगों को आरोपी बनाया गया था। रिटायर्ड सीओ आवे हसन भी शामिल थे। पुलिस ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी। मामले की सुवार्द्धी प्राप्ती-प्रमाणन की फूली से लोगों में चल रही है। एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बताया की आवे हसन की ओर से गवाह को बुलाया के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया था, जिसको कोई नहीं खारिज कर दिया है।

लो वोल्टेज पर हाई हुए किसान...कहा, बिजली समस्या का हो समाधान

गहराते बिजली संकट पर भड़के किसानों ने बाइश के बीच किया धरना प्रदर्शन

कार्यालय संचादाता, रामपुर

अमृत विचार : गहराते बिजली संकट को लेकर मंगलवार को किसानों का धैर्य जबाब दे गया। लो वोल्टेज, ट्रिपिंग, बिजली कटौती से गुस्सा हाई हो गया।



अधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करते किसान।

• अमृत विचार

• जलूस निकालकर की नारेबाजी, अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर दिया धरना

हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। नाराज किसानों ने बैमियादी धरने की चेतावनी दे दी। इसकी जानकारी होते ही विधायीय अफसरों में लोग परेशन है। बिजली के आने को रोटर होने के बाद भी काई समय नहीं है। लो वोल्टेज की समस्या भी दूर नहीं हो पा रही है। अधीक्षण अभियंता ने किसानों को वार्ता के लिए बुलाया। किसानों ने जापन सौंपकर समस्या का जल्द से जल्द समाधान करने की मांग भी उठाई है।

मंगलवार को संगठन के कार्यकर्ता प्रदेश कैप कार्यालय पर एकत्रित हुए। इसके बाद प्रदेश महासचिव हसीब अहमद की अगुवाई में नारेबाजी करते हुए जलूस की शक्ति से बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता के कार्यालय पर धरना दिया। किसानों ने जापन सौंपकर समस्या की सुवार्द्धी प्राप्ती-प्रमाणन की फूली से लोगों में चल रही है। एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी। मामले की बासी विभाग के अधीक्षण अभियंता के लिए खलबली मच गई। अधीक्षण अभियंता ने किसानों को वार्ता के अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

एकीनीयी सीमा सिंह राणा ने बार्जी शीटों के माध्यम से दाखिल की थी।

<p

एक नजर

जल्द पैसा कमाने के लिए बनाती थीं अश्लील वीडियो

पुलिस की गिरफ्त में भी महक और परी ने दिखाए सेलिब्रिटी जैसे तेवर, एसपी ने दी कड़ी चेतावनी

कार्यालय संवाददाता, संभल/
बहनोई



पुलिस गिरफ्त में महक, परी व उनके साथियों की हार मार 25 से 30 हजार

रुपए कमाई होती थी कि महक, परी व उनके साथियों के लिए वे लगातार अश्लील कंटेट वाले वीडियो को ज्यादा लोगों ने देखा तो इन दोनों को लगा कि यहीं तक हजारों पैसा भी कमाया जा सकता है और जल्द स्टार भी बना जा सकता है। ऐसे इन पर ऐसा भूत सवाल हुआ कि लगातार अपर्याप्त वीडियो अपलोड करती रही। एसपी ने बताया कि वारंवार में पैश किया जा रहा है।

विद्यां ददिति विनयं विनायद् याति पापत्राम्।

पत्रावत् धनमान्जोति व्यनात् धर्मं ततः सुखम्॥

ज्ञानविनिष्ठा प्रदान करता है, विनिष्ठा से योग्यता आती है और योग्यता से धनप्राप होता है, जिससे व्यवित धर्म के कार्य करता है और सुखी रहता है।

संपादकीय

नवाचार का केंद्र



विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

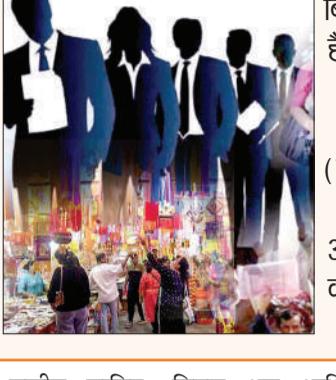
अब नौकरी ही नहीं बिजनेस भी करेगा बिहार

दुनिया आज जब आर्थिक अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है, भारत मजबूत और स्थिर नेतृत्व के साथ वैश्विक मंच पर नई ऊँचायों को छु रहा है। यह आत्रा आसान नहीं थी, परंतु 140 करोड़ भारतीयों की भवित्वना और आत्मविश्वास की अभिव्यक्ति है। भारत एक दशक पहले कई आर्थिक चुनौतियों और नीतियों जिल्लाओं से ज़ोड़ रहा था। केवल एक दशक में भारत ने बिट्टन को पछाड़कर 2023 में पांचवां स्थान प्राप्त किया और 2025 में जापान को पीछे छोड़कर चौथे स्थान पर आ गया। आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक ने भी इस उपलब्धि की पुष्टि की। 2025 में आईएमएफ की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4.19 द्विलियन डालर तक पहुंच गया है और भारत ने जापान जैसे विकसित देश को पीछे छोड़ दिया है। इस प्रगति की नींव में कई संरचनात्मक सुधार रहे थे ऐसे फैट इंडिया ने निवेशकों का विश्वास लौटाया और इंज ऑफ डूइंग बिजनेस में भारत की रोकिंग 142 से घटकर 63 पर पहुंची। 2015 में शुरू की गई डिजिटल इंडिया सुधार ने भारत को डिजिटल नवाचार का केंद्र बना दिया। जनधन, आधार और डीवीटी जैसे सिस्टमोंने करोड़ों लोगों को वित्तीय प्रणाली से जोड़ा और ब्रॉचार पर रोक लगाइ। 2024-25 में भारत का उत्पाद 824.9, 4 अरब डालर तक पहुंचा-जो आईटी, फार्मा, रल्न-आधूनिक, कृषि और इंजीनियरिंग क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन का परिणाम है।

भारत अब 'दुनिया की फार्मसी' और एक ग्लोबल टेक पावर हाउस के रूप में जाना जाता है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत 2024 तक 53.13 करोड़ से अधिक बैंक खाते, उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 11 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन, और आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 50 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा दी गई। यह दिखाता है कि भारत का आर्थिक विकास समावेशीता पर आधारित है। आज भारत को पूरी दुनिया स्प्रिट्रता, नवाचार और अवसरों के केंद्र के रूप में देख रही है। वैश्वक विश्लेषकों का अनुमान है कि अगर यह रफतार बरकरार रही तो भारत 2027 तक जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में सबसे बड़ी अंतर्व्यवस्था बन सकता है। भारत की यह उपलब्धि सिंक एक आर्थिक सफलता नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के सामूहिक प्रयासों, आकांक्षाओं और आत्मबल की जीत है।

यह भी याद रखा जाए कि बिहार में निजी क्षेत्र का निवेश भी होने लगा है। पिछले साल दिसंबर में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इनवेस्ट समिट के दौरान अडानी समूह, सन पेट्रोकेमिकल्स और कई अन्य बड़े-छोटी कंपनियों ने राज्य में 1.81 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया। यह निवेश नवीकारीय ऊर्जा, सीमेंट, खाद्य प्रसंस्करण और विनियमांग जैसे क्षेत्रों में होगा। इससे पहले 2023 में आयोजित पहले निवेशक सम्मेलन में बिहार में 50,300 करोड़ रुपये के निवेश का वादा मिला था।

सन पेट्रोकेमिकल्स 36,700 करोड़ रुपये ऊर्जा परियोजनाओं, जैसे पंप हाइड्रो और सौर संयंत्रों में निवेश करेगी। अडानी समूह, जो राज्य में सबसे बड़ा निवेशक है, न लगभग 28,000 करोड़ रुपये निवेश करने का वादा किया है। यह निवेश एक अत्याधुनिक थर्मल पावर प्लांट स्थापित करेगा और उत्पादन क्षमता बढ़ाने, खाद्य प्रसंस्करण और लॉजिस्टिक्स व्यवसायों के विस्तार में किया जाएगा।



बिहार के उद्योग जगत पर नजर रखने वाले जानते हैं कि यहां से ही अनिल अग्रवाल (वेदांता समूह), आर.के.सिन्हा (एसआईएस सिक्योरिटी), संप्रदा सिंह एल्केम लैबोरेटरीज, आनंद कुमार (सुपर 30) जैसे बड़े कारोबारी निकले। इस सूची में कुछ नाम और भी शामिल किए जा सकते हैं और आने वाले समय में यह सूची बहुत लंबी होगी क्योंकि अब बिहारी नौजवान बदलने लगा है। उसे सरकार का साथ भी मिल रहा है।

यहीं क्षेत्र का साथ भी मिल रहा है। यहीं पुनर्जीवन की मिसाल बनता जा रहा है। हाल ही में पटना में आयोजित एक विशेष औद्योगिक प्रतिशत हिस्सा इक्विटी योजनाओं में लगा रहे हैं, जो यह संकेत देता है कि उन्हें बाजार की संवाद में देश की 55 आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों ने हिस्सा लिया। ये कंपनियां राज्य में बढ़ रहे हैं। वे कारोबारी दुनिया में बेहतर कमा रहे हैं।

यहीं एकमात्र विकल्प मानने की मानसिकता में कमी आई है। दूसरा, यह कि डिजिटलीकरण और मोबाइल एप आधारित वित्तीय सेवाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच बना ली है। जेडॉडा, ग्रो और अपस्टाक्स जैसे प्लेटफॉर्म्स ने न केवल जानकारी को सहज बनाया है, बल्कि निवेश को भी सरल बना दिया है। आज समर्तीपुर का एक छोटा कारोबारी और दरमानों की एक गृहीय म्यूचुअल फंड में निवेश कर रही है। यह बदलाव छोटे दिशा सकते हैं, लेकिन इन्हें करोड़ों लोगों की आदत में सुधार कर लिया जाए, तो इसका प्रभाव देश की पूरी आर्थिक संरचना पर पड़ता है। बिहार के इस बदलाव का संबंध शिक्षा और सचिना तक पहुंच से भी है। बीते एक दशक से राज्य में उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या में वृद्धि हुई है। स्टार्टअपों और इंटर्नेट ने ग्रामीण युवाओं को वैश्विक दुनिया से जोड़ा है। सोशल मीडिया और यूट्यूब जैसे माध्यमों ने जानकारी को लोकतात्रक बना दिया है। अब वित्तीय निर्णय केवल विशेषज्ञों का क्षेत्र नहीं रहा है।

बिहार के उद्योग जगत पर नजर रखने वाले जानते हैं कि यहां से ही अनिल अग्रवाल (वेदांता समूह), आर.के.सिन्हा (एसआईएस सिक्योरिटी), संप्रदा सिंह एल्केम लैबोरेटरीज, आनंद कुमार (सुपर 30) जैसे बड़े कारोबारी निकले। इस सूची में कुछ नाम और भी शामिल किए जा सकते हैं और आने वाले समय में यह सूची बहुत लंबी होगी क्योंकि अब बिहारी नौजवान बदलने लगा है। उसे सरकार का साथ भी मिल रहा है।

</div

